स्वामी विवेकानन्द राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लोहाघाट (चम्पावत)

लोक अध्ययन केन्द्र
आख्या
2021–2022

लोक अध्ययन केन्द्र की स्थापना मुख्यमंत्री नवाचार योजना के अन्तर्गत हुई। केन्द्र हेतु प्रस्ताव प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता के निर्देशन में श्रीमती स्वाति मेलकानी, असि0प्रो0 शिक्षाशास्त्र एवं सुश्री शान्ति यार्सो, असि0प्रो0 वाणिज्य विभाग द्वारा तैयार किया गया। जनवरी 2022 में प्रस्ताव स्वीकृत होने के उपरांत इस हेतु बजट आबंटित किया गया।सत्र 2021–2022 में महाविद्यालय में लोक अध्ययन केन्द्र स्थापित करने के लिए **शासनादेश संख्या 1185/XXIV-C-2/2021-11(2)21** दिनांक 24 /11/2021 के क्रम में अनुदान सं0 11 के लेखा शीर्षक 2202–03–103–18– मुख्यमंत्री नवाचार योजना तथा उच्च शिक्षा निदेशालय के पत्रांक **डिग्री–बजट/आबंटन/5890–93/2021–22** दिनांक 14/01/2022 के अन्तर्गत रू0 **3,00,000 (रूपये तीन लाख मात्र)** की धनराशी आबंटित की गई थी।

सर्वप्रथम प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता द्वारा केन्द्र हेतु समिति गठित की गई, जो निम्नवत् थी–

1. श्रीमती स्वाति मेलकानी – नोडल
2. डा0 सुमन पाण्डेय – सदस्य
3. श्री रूचिर जोशी – सदस्य
4. सुश्री शान्ति यार्सो –सदस्य

समिति द्वारा सर्वप्रथम प्राचार्य की अध्यक्षता में दिनांक 22–02–2022 को प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में केन्द्र हेतु प्रस्तावित समस्त अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन लक्ष्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस सत्र हेतु अल्पकालीन लक्ष्यों की दिशा में कार्य करते हुए पच्चीस छात्र–छात्राओं के एक कार्यदल का गठन किया गया। इस हेतु महाविद्यालय वेबसाइट, कॉलेज इनफोर्मेशन, प्रिंटेड सूचना पोस्टर तथा विभिन्न विभागीय व्हट्सऐप ग्रुप्स के माध्यम से इच्छुक विद्यार्थियों से संपर्क किया गया। गूगल फार्म के माध्यम से कुल प्राप्त आवेदनों में से पच्चीस को चयनित किया गया।

चयनित विद्यार्थियों को एक व्हट्सऐप ग्रुप्स के माध्यम से जोड़ा गया। यह ग्रुप अब उन्हें समय–समय पर लोक अध्ययन केन्द्र की गतिविधियों एवं सूचनाओं से अवगत करने का माध्यम बन चुका है। साथ ही इस ग्रुप के माध्यम से लोक अध्ययन से संबन्धित अकादमिक जानकारी समय–समय पर साझा की जाती है।

कार्य समूह हेतु चयनित विद्यार्थियों के लिए लोक अध्ययन केन्द्र समिति द्वारा महाविद्यालय में अंतःक्रिया सत्रों का आयोजन किया गया। इस सत्रों में नोडल अधिकारी एवं अन्य शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के लोक संबंधी पूर्वज्ञान एवं अवधारणाओं की मौखिक परख की गई। इससे यह निश्चित हुआ कि यद्यपि विद्यार्थियों की 'लोक' विषयों पर शुरूआती समझा में गहनता नहीं है पर उनमें लोक अध्ययन को लेकर अपार जिज्ञासाएं है। इसी जिज्ञासा के समाधान और संभावनाओं की तलाश में लोक अध्ययन केन्द्र की गतिविधियां तय की गई। सर्वप्रथम कार्य समूह को अपने क्षेत्रीय लोक कलाकारों से परिचित करवाना था। कलाकारों का चिन्हीकरण कर उनसे संपर्क साधने के लिए एक सूचना महाविद्यालय में चस्पा की गई। साथ ही इसके प्रसार हेतु स्थानीय समाचार पत्रों में भी प्रकाशन करवाया गया।

इसके उपरांत समिति की सहमति से केन्द्र हेतु आवश्यक भौतिक संसाधनों एवं पुस्तकों की सूची निर्मित की गईं उत्तराखण्ड के लोक वाद्यों के क्रय हेतु कोटेशन आमंत्रित किये गये। अन्य सामग्री हेतु प्राचार्य की अनुमति से स्थानीय सप्लायर्स को आदेशित किया गया। पुस्तकों हेतु उत्तराखण्ड के तीन प्रमुख प्रकाशनों पहाड़, समय साक्ष्य व नवारूण की पुस्तक सूचियों से लोक साहित्य व लोक संबंधी अन्य अकादमिक सामग्री का चयन किया गया। केन्द्र हेतु महाविद्यालय में कक्षों को चिन्हित कर उन्हें लोक अध्ययन केन्द्र के रूप में विकसित करने हेतु कार्यवाही प्रारम्भ की गईं।

केन्द्र में विद्यार्थियों हेतु गतिविधियों के संचालन के उद्देश्य से स्थानीय लोक कलाओं पर कार्यरत संस्थाओं से संपर्क आवश्यक था। इस उद्देश्य से पिथौरागढ़ की प्रसिद्ध ''भाव राग ताल नाट्य अकादमी'' से संपर्क किया गया। ''भाव राग ताल नाट्य अकादमी'' राष्ट्रीय स्तर पर लोक कलाओं के संरक्षण के साथ–साथ नाटकों का आयोजन करती है। अकादमी के महाविद्यालय के साथ भविष्य के साझा कार्यक्रमों को संसूचित करते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

लोक अध्ययन केन्द्र में पंजीकृत विद्यार्थियों हेतु सर्टीफिकेट कोर्स पाठ्यक्रम भी विकसित किया गया। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को कार्यशालाओं,व्याख्यानों एवं अंतःक्रिया सत्रों के माध्यम से पूर्ण करने किया गया।

इसी क्रम में केन्द्र में प्रथम कार्यशाला का आयोजन ''भाव राग ताल नाट्य अकादमी'' के साथ दिनांक 04 से 07 मार्च 2022 तक एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 04–03–2022 को प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता एवं अकादमी के निदेशक श्री कैलाश कुमार द्वारा केन्द्र में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

प्राचार्य द्वारा केन्द्र के उद्देश्यों एवं मुख्यमंत्री नवाचार योजना के दूरगामी वृहद पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। निदेशक श्री कैलाश कुमार ने लोक नाटकों एवं वाद्य यंत्रों की लोक से संवर्धन में प्रभावी भूमिका पर अपने विचार रखे। उद्घाटन सत्र को नोडल श्रीमती स्वाति मेलकानी, श्री रूचिर जोशी, सुश्री शान्ति यार्सो एवं संगीत निर्देशक श्री धीरज कुमार द्वारा भी संबोधित किया गया। सत्र के अन्त में विद्यार्थियों ने लोक अध्ययन केन्द्र से अपने जुड़ाव के कारण व कार्यशाला के अपनी अपेक्षाओं को स्पष्ट किया।

चार दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों ने लोक नाटकों हेतु शारीरिक गतिविधियों एवं आवश्यक दिमागी संतुलन क्रियाकलापों में भागीदारी की। कार्यशाला में आइसब्रेकिंग एक्टिविटीज के साथ लोक गायन एवं वाद्य यंत्रों को बजाने सम्बन्धी शुरूआती सिद्धान्तों को अकादमी के सन्दर्भ दाताओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन विद्यार्थियों द्वारा सोर क्षेत्र की एक जागर का सामुहिक गायन किया गया। इसके उपरांत फीडबैक और संदर्भ दाताओं के उद्बोधन के साथ ही कार्यक्रम समाप्त हुआ।

लोक अध्ययन केन्द्र की द्वितीय कार्यशाला दिनांक 07–03–2022 से प्रारंम्भ हुई। यह कार्यशाला ऐंपण कला के प्रशिक्षण पर आधारित थी। कार्यशाला लोहाघाट की राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध ऐंपण कलाकार एवं कुंज आर्ट्सवर्कस की संस्थापक सुश्री कुंजिका वर्मा द्वारा दी गई।

सुश्री कुंजिका वर्मा ने ऐंपण की बुनियादी जानकारी दी एवं ऐंपण किट प्रदान किया। उनके निर्देशन में विद्यार्थियों ने प्रदत्त किट से स्वयं ऐंपण कलाकृतियां बनाई। दिनांक 09—03—2022 को विद्यार्थियों की बनाई कलाकृतियों को महाविद्यालय में प्रदर्शित किया गया। ऐंपण कार्यशाला के समापन सत्र में प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता द्वारा विद्यार्थियों को आशीष वचन व संदर्भदाता कुंजिका वर्मा को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

दिनांक 11—03—2022 को विद्यार्थियों हेतु युवामंच नैनीताल द्वारा बनाई गई फिल्म ''उत्तराखण्ड के लोकनृत्य'' का प्रदर्शन किया गया। दिनांक 12—03—2022 लोक विशेषज्ञ एवं डिजाइनर की श्री नवीन पांगती द्वारा ऑनलाइन लैक्चर दिया गया। वक्तव्य का विषय ''लोक के मायने'' था। वक्तव्य लोक जीवन का विद्यार्थियों से पुख्ता परिचन करवाने में सफल रहा। वर्तमान स्थितियों में लोक जीवन की दशा व दिशा की श्री नवीन पांगती द्वारा कई दृष्टान्तों से माध्यम से समझाया गया।

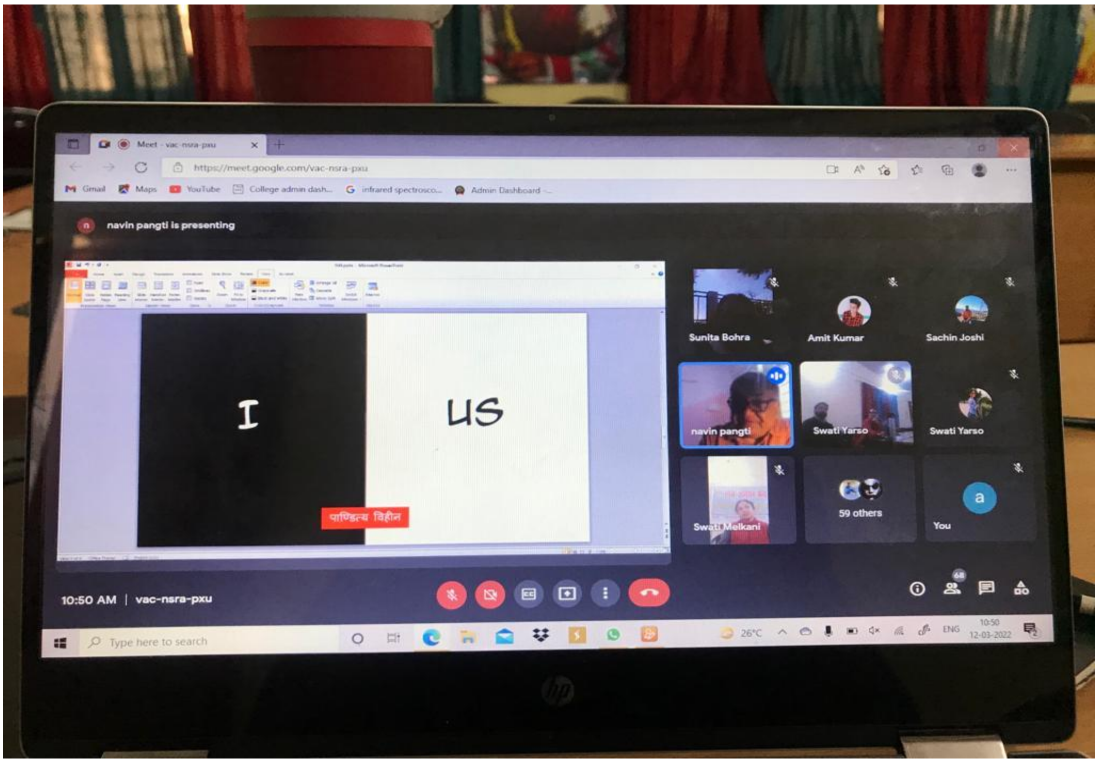

दिनांक 23–03–2022 को प्रो0 गिरिजा पाण्डेय, उ0मु0वि0ह0 व प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता द्वारा केन्द्र का उद्घाटन किया गया। प्रो0 पाण्डेय ने केन्द्र के मुख्य द्वार पर रिबन काटकर केन्द्र का औपचारिक उद्घाटन किया।

केन्द्र के कार्य समूह के विद्यार्थियों ने पुष्प गुच्छ देकर प्रोफेसर पाण्डेय का स्वागत किया। केन्द्र का भ्रमण करते हुए उन्होने केन्द्र में संभावित पेंटिंग पोस्टर्स, पुस्तकों एवं लोक वाद्य यंत्रों का अवलोकन किया।

प्रो0 गिरिजा पाण्डेय व प्राचार्य डा0 संगीता गुप्ता द्वारा इस अवसर पर दीवार पत्रिका के लोक विशेषांक का विमोचन भी किया गया।

इसके उपरांत एडुसैट कक्ष में प्रो0 पाण्डेय द्वारा ''उत्तराखण्ड संस्कृति एवं प्रकृति'' विषय पर व्याख्यान दिया गया। दिनांक 24–03–2022 को विद्यार्थियों के मध्य पहाड़ फाउंडेशन द्वारा निर्मित फिल्म ''अपनी धुन में कबूतरी'' का प्रदर्शन किया गया। इस सत्रांत में विद्यार्थियों की ऑनलाइन लिखित परीक्षा ली जा रही है तदोपरांत प्रमाण–पत्र वितरित किये जाएंगे।

संलग्नक–

1. मुख्यमंत्री नवाचार योजना शासनादेश
2. बजट आवंटन शासनादेश
3. समझौता ज्ञापन प्रपत्र
4. शोध एवं विकास योजनान्तर्गत प्रस्ताव प्रेषण
5. महाविद्यालय में समिति का गठन
6. विद्यार्थियों के चयन हेतु प्राध्यापकों को सूचना
7. विद्यार्थियों के चयन हेतु सामान्य सूचना
8. जनसामान्य हेतु प्रेस नोट
9. अंतिम रूप से चयनित विद्यार्थियों की सूची
10. गतिविधियों की प्रस्तावित सूची
11. समझौता ज्ञापन हेतु प्रेषित पत्र
12. पूर्व प्रेषित प्रगति आख्या
13. एड ऑन कोर्स प्रस्ताव
14. एड ऑन कोर्स स्वीकृति
15. निदेशक, भाव राग ताल नाट्य अकादमी, पिथौरागढ़ को कार्यशाला हेतु आमंत्रण पत्र
16. सुश्री कुंजिका वर्मा, कुंज आर्टस को ऐपण कार्यशाला हेतु आमंत्रण पत्र
17. श्री नवीन सिंह पांगती, लोक विशेषज्ञ को ऑनलाइन वक्तव्य हेतु आमंत्रण पत्र

18. प्रो0 गिरिजा पाण्डेय, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी को वक्तव्य हेतु आमंत्रण पत्र
19. दैनिक समाचार पत्रों में लोक अध्ययन केन्द्र के कियाकलापों से संबंधित प्रकाशित समाचार
20. समस्त कार्यक्रमों के फ्लायर
21. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित समाचार के लिंक

21.1 https:/www.himalayanhollo.com/lok-study-center

21.2 https:champawattoday.com/others/establishment-ofpublic-syudies-center-in-the-college-training-workshops-was-also-organized/

हस्ताक्षर समिति प्राचार्य

श्रीमती स्वाति मेलकानी, नोडल अधिकारी

डा0 सुमन पाण्डेय, सदस्य

श्री रूचिर जोशी, सदस्य

शान्ति यर्सो, सदस्य